

第十五册



中国少数民族文字 珍稀典籍汇编

名誉主编 张公瑾

主编 黄建明 张铁山

◎ 中央民族大学中国少数民族语言与古籍研究所
◎ 国家民委少数民族古籍保护与资料信息中心

编



海峡出版发行集团
福建人民出版社



名誉主编 张公瑾 主编 黄建明 张铁山

中国少数民族文字 珍稀典籍汇编

第十五册

徐丽华 仁青吉 李鹏 编

◎ 中央民族大学中国少数民族语言与古籍研究所
◎ 国家民委少数民族古籍保护与资料信息中心 编



海峡出版发行集团
福建人民出版社

Rare and Precious Tibetan Classics II

藏文珍稀典籍·二

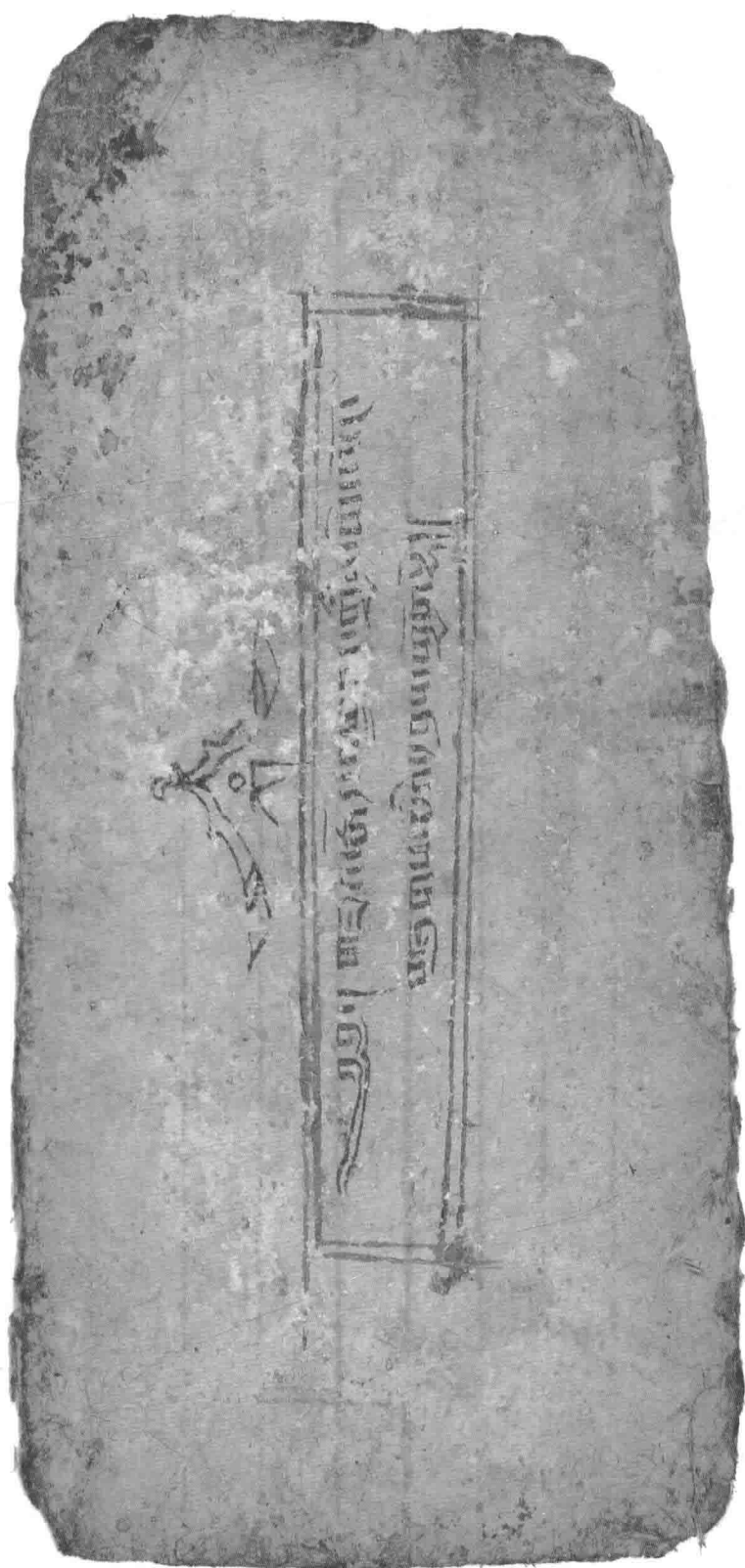
目录 Contents

- 猛曜幻化明鉴 / 1
gzava rgod vphrul gyi me long / 1
降伏所有忿怒魔鬼 / 77
gtum po dregs pa kun vdus / 77

猛曜幻化明鉴

gzava rgod vphrul gyi me long

藏族古老的打卦书。佚名撰，清初民间抄本。左右双红线边框，土黄色栏，祖玛体，墨写本，每页7行，梵夹装，长25厘米，宽7.1厘米，75页。封面彩绘书名框。全书常用词汇和关键词均以缩减字写成。该书记述用狮子、马、山羊、草坪等十几种物象进行打卦的内容，并记有多则民间故事。部分行文掺杂口语，是研究古藏语难得的史料，也是非常宝贵、典型的藏族古代民俗资料。本教（也称“苯教”）法师个人收藏。



200

ਪਾਤ੍ਰ

941

277

འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།
འཇུག་པ་ལྟར་ཡེ་ཤུག་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་ལྟར་།

301
302
303

304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in vertical columns on a rectangular piece of aged paper. The script is dense and characteristic of historical Tibetan manuscripts. The paper shows signs of wear, including small holes and discoloration.

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in three columns. The script is dense and characteristic of historical Tibetan manuscripts. The text is written on aged, slightly damaged paper.

[illegible]